है विष्णु रो अवतार सतगुरु जांभोजी भजन लिरिक्स

है विष्णु रो अवतार,
सतगुरु जांभोजी म्हारा जांभोजी।bd।

जल थल अग्नि पवन नहीं था,
चांद सूरज और गगन नहीं था,
मायाजाल अपार,
सतगुरु जांभोजी म्हारा जांभोजी।bd।

पांच तत्व मिल सृष्टि रचाई,
ब्रह्मा विष्णु महेश कहाई,
सब का पालनहार,
सतगुरु जांभोजी म्हारा जांभोजी।bd।

बालपणे मे गांया चराई,
सिर पर भगवी टोपी धारी,
बन गए गूंगे श्याम,
सतगुरु जांभोजी म्हारा जांभोजी।bd।

भक्त काज युग युग अवतारी,
संत भक्त के कारज सारि,
लियो पीपासर अवतार,
सतगुरु जांभोजी म्हारा जांभोजी।bd।

समराथल सतगुरु जी आया,
शब्दा रो माने ज्ञान सुनाया,
दियो अमृतपान पिलाय,
सतगुरु जांभोजी म्हारा जांभोजी।bd।

है विष्णु रो अवतार,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भजन प्रेषक –
Sunil Bishnoi Dechu
9587303598

---

https://youtu.be/5efGfVVQ5CI

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com